Department of Economics

L.N.D. COLLEGE, MOTIHARI (BIHAR)

(a constitueant unit of B.R.A. University, Muzaffarpur (Bihar)

NAAC Accredited 'B+'

Topic : अवसर लागत की अवधारणा Concept of opportunity Cost

BA Economics Part I MJC/MIC/MDC (Semester I)

Instructor

Dr. Ram Prawesh

Guest Faculty (Department of Economics)

L.N.D. COLLEGE, MOTIHARI (BIHAR)

अवसर लागत की अवधारणा Concept of opportunity Cost

अवसर लागत की धारणा इस तथ्य पर आधारित है कि उत्पत्ति के साधन सीमित और बहु-प्रयोगात्मक होते हैं। चूँकि प्रत्येक साधन सीमित है इसलिए उसको सभी प्रयोगों में पूर्ण रूप से प्रयुक्त नहीं किया जा सकता है। समाज की दृष्टि से उसको किसी एक उद्देश्य के लिए प्रयोग करने का अर्थ है कि उसको अन्य उद्देश्य में प्रयोग करने का अवसर त्यागना पड़ेगा। किसी एक वस्तु के उत्पादन की लागत वस्तु की वे मात्राएँ हैं जिनका हमें त्याग करना पड़ रहा है। अत: वह लागत जो किसी साधन को उसके वर्तमान कार्य में लगे रहने के लिए प्रेरित करती है, अवसर लागत कहलाती है।

संक्षेप में, किसी एक वस्तु के उत्पादन की लागत अन्य वस्तु की वे मात्राएँ हैं जिनका हमें त्याग करना पड़ रहा है। बन्दूक बनाने की अवसर लागत मकान की वह मात्रा होगी जो बन्दूक बनाने के लिए साधनों के प्रयोग के कारण हम पैदा नहीं कर सकेंगे। बन्दूक और मकान बनाने के लिए साधन चाहिए। साधन सीमित हैं इसलिए हम बन्दूक बना सकते हैं या मकान। इस प्रकार उत्पादित वस्तु की लागत को उसमें लगे साधनों में व्यक्त न करके, उस वस्तु में व्यक्त किया जा सकता है जो उत्पन्न नहीं की जा सकती या उत्पन्न न की जाने वाली वस्तु एक प्रकार का खोया अवसर है और इसलिए यह उस वस्तु की लागत है जो वास्तव में उत्पन्न की गईं।

उदाहरण (Example)-

(a) यदि एक कृषक 100 क्विंटल गेहूँ का उत्पादन कर रहा है और यदि इन्हीं साधनों से 120 किंवटल जौ उत्पन्न कर सकता है तो 100 किंवटल गेहूँ की अवसर लागत 120 क्विंटल जौ है।

(b) इसी प्रकार यदि बढ़ई एक दिन कार्य करके 1 मेज या 2 कुर्सियाँ बना सकता है तो कहा जायेगा कि 1 मेज की अवसर लागत 2 कुर्सियाँ हैं जो एक मेज के बदले में तैयार की जा सकती हैं।

(c) यदि मेरी बन्दूक में जो कारतूस है, उससे मैं एक शेर मार सकता हूँ या दो कबूतर तो दो कबूतर एक शेर की अवसर लागत होगी। अतः किसी निश्चित वस्तु की अवसर लागत वह उत्तम विकल्प है जिसका परित्याग कर दिया जाता है।

बेन्हम के अनुसार, "किसी वस्तु की अवसर लागत वह दूसरा श्रेष्ठ विकल्प है जिनका उन्हीं साधनों से या उनके समान उतनी ही मौद्रिक लागत के साधनों के समूह से उसकी बजाय उत्पादन किया जा सकता था।"

उत्पादन सम्भावना वक्र द्वारा स्पष्टीकरण- उत्पादन सम्भावना वक्र से हमें ज्ञात होता है कि यदि हम किसी एक वस्तु के उत्पादन में वृद्धि करना चाहते हैं तो हमें दूसरी वस्तु का त्याग करना पड़ता है। इस प्रकार अवसर लागत की धारणा का आधार त्यागी जाने वाली वस्तु या अवसर का विकल्प है। अवसर लागत की अवधारणा को नीचे सारणी के द्वारा स्पष्ट कर रहे हैं।

सारणी 2 : उत्पादन सम्भावना सारणी

उत्पादन सम्भावनाएँ	X वस्तु	Y वस्तु	X की सीमान्त अवसर लागत Y के रूप में
A	0	15	—
B	1	14	15 – 14 = 1
C	2	12	14 – 12 = 2
D	3	9	12 – 9 = 3
E	4	5	9 – 5 = 4
F	5	0	5 – 0 = 5

उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट है कि X वस्तु की अवसर लागत Y वस्तु की वह मात्रा है जिसे छोड़ना चाहता है। दिये हुए संसाधनों की सहायता से हम पाँच इकाई X वस्तु का उत्पादन कर सकते हैं अथवा 15 इकाई Y वस्तु का। इसका अर्थ यह है कि 5 इकाई X वस्तु की अवसर लागत 15 इकाई Y वस्तु है अर्थात् X वस्तु की एक इकाई की अवसर लागत 15Y/15 = 3Y । इसी प्रकार X वस्तु के रूप में Y वस्तु की एक इकाई की अवसर 5Y/15 लागत -= 0.33Y है।